

वार्षिक चन्दा 150 रुपए  
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया  
एकलव्य, भोपाल के नाम बने  
ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन  
एकलव्य

ई-7/एच.आई.जी. 453,  
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016

फोन : 0755-2463380

फैक्स : 0755-2461703

ई-मेल: srote@eklavya.in

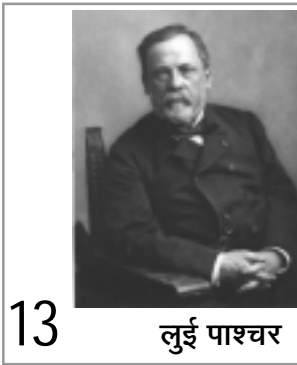
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स  
website : www.eklavya.in

वर्ष - 1 अंक - 8

अक्टूबर 2007

# स्रोत

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना



13

लुई पाश्चर

पक्षियों के माफिया

एक-दूसरे की मदद करते हैं चिम्पेंजी

चूहे कार्बन डाईऑक्साइड की गंध पहचानते हैं

दमा मरीजों को प्रदूषण का हर्जाना/उबासियां लेने से दिमाग ठण्डा होता है

एक अकेला नर कछुआ

क्या आकाश सिर्फ पृथ्वी पर होता है?

घड़ियों में फेरबदल के ज़रिए ऊर्जा की बचत

भारत में विज्ञान शिक्षा

पल्सर की खोज पहले एक सिपाही ने की थी

लुई पाश्चर: एक महान वैज्ञानिक

एक साम्राज्य का उत्थान और पतन

पक्षी भी पहनते हैं शादी का सूट

मनुष्य ने पेड़ों पर ही सीखा था चलना

जैव ईंधन और अन्य विकल्प

बढ़ते बीहड़ और वीरान होते गांव

केसर काश्मीर का

गांजा-भांग का सेवन खतरनाक हो सकता है

मधुमेह रोगियों की रक्षा का तरीका/एंजियोप्लास्टी से गुर्दे को खतरा

जुड़वां से भी ज़्यादा एक समान

क्या बृहस्पति पृथ्वी को बचाता है?

मानव दखल से बचा नहीं धरती का कोई कोना

बिजली युग के प्रवर्तक निकोला टेस्ला

लंबे समय तक भूखे और चौकन्ने रह सकते हैं सांप

2

3

4

5

6

8

10

12

13

17

19

21

24

26

28

30

31

32

34

35

36



21

दोपाए  
मनुष्य



26

बढ़ते बीहड़

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।